सामाजिक रूप से उत्तरदायी
Being Socially Responsible

पंजाब नैशनल बैंक
Punjab National Bank

सीएसआर रिपोर्ट 2009-10
CSR Report 2009-10

PNB CSR.p65 6 2010/06/16, 04:46 PM

BEING SOCIALLY RESPONSIBLE
सामाजिक रूप से उत्तरदायी

पीएनबी में कॉरपोरेट सामाजिक उत्तदायित्व कार्यक्रम अत्यन्त महत्वपूर्ण पहल है, जिसे बैंक द्वारा जहां कहीं भी लागू किया गया, वहां समाज के वर्ग पर ठोस प्रभाव पड़ा है। सीएसआर प्रतिमान बैंक की एक जीवंत और गतिशील रणनीति बन गई है और अब उसकी कोर कॉरपोरेट नीति में सुदृढ़ता से समाहित है। बैंक मानता है कि वर्तमान रोमांचक और तेजी के आर्थिक वातावरण में किसी के लिये भी सीएसआर के बेहतर प्रयोग के माध्यम से सामाजिक पूंजी निर्माण की महत्ता को अनदेखा करना स्वाभाविक होगा। परंतु पीएनबी में ऐसा नहीं है। हमारे लिए एक व्यापक और गुणात्मक सीएसआर कार्यक्रम के कार्यान्वयन का मूल्य सर्वोपरि है क्योंकि हमारे मानवीय दायित्वों को पूरा करने के अलावा, इसे हम सामाजिक पूंजी का निर्माण करने का महत्वपूर्ण जरिया मानते हैं। इस पर बल देने की आवश्यकता नहीं है कि कारोबार की वृद्धि और निरंतरता के लिए अब सामाजिक पूंजी निर्माण को एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में माना जा रहा है।

हमने अपने सीएसआर कार्यक्रमों की सफलता का मूल्यांकन सामाजिक पूंजी के अनुसार करना आरंभ कर दिया है। हम मुख्यतः स्थानीय समुदायों के साथ संबंध सुदृढ़ करके सामाजिक पूंजी का निर्माण करते हैं। यह तब होता है, जब उदाहरणार्थ, पीएनबी सड़कों को साफ करने के लिये, कृषकों को पढ़ाने के लिये, ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब महिलाओं को परामर्श देने आदि के लिये स्वैच्छिक कार्यकर्ता प्रदान करता है। नियमित रूप से मिलने का आशय है कि प्रशिक्षक और प्रशिक्षार्थी दोनों ही सत्र से लाभान्वित होते ही हैं, और साथ में कार्यकर्ता एवं लाभार्थी, दोनों ही दूसरे पक्ष की बेहतर जानकारी हासिल करते हैं। इस तरह किसी ''दूसरे'' – एक ग्रामीण बेरोज़गार युवा, एक छोटा बच्चा, एक कृषक – का संसार भी हमारे लिए अधिक परिचित, अधिक मूर्त और अन्ततः अधिक सक्षम हो जाता है। इस स्तर पर उनकी बातचीत का मूल्य, उनके नये बने संबंध और बांटे गये अनुभवों का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता है। इससे एक चिंगारी सुलग उठती है जिससे निश्चय ही इन लाभार्थियों के जीवन में उजाला फैलाने की समस्त संभावनाएं होती हैं।

सामाजिक साख भी तभी बढ़ती है, जब पंजाब नैशनल बैंक इस प्रकार कारोबार करता है कि पर्यावरण पर उसका प्रभाव न्यूनतम होता है। रीसाईकल किये गये काग़ज का प्रयोग करके, हमारी व्यर्थ की वस्तुओं को रीसाईकल करके, बिजली की बचत करके – इन कार्यों से ग्राहकों को पता चलता है कि हम एक अच्छे कारपोरेट नागरिक के रूप में अपनी भूमिका गंभीरता से निभा रहे हैं और अपने सहयोगियों के समक्ष एक आदर्श स्थापित कर रहे हैं।

The Corporate Social Responsibilty programme at PNB is an initiative of great importance which has made tangible impact in sections of society wherever it has been implemented by the Bank. The CSR paradigm has evolved into a vibrant and dynamic strategy of the Bank and is now firmly embedded in its core corporate policy. The Bank recognises that in the current exciting and bullish economic environment, one can fall into the trap of overlooking the value of building social capital through healthy exercising of CSR. Not so at PNB. For us the value of implementing a widespread and qualitative CSR programme is paramount as apart from discharging our humanitarian obligations, it builds the critical social capital for us. Needless to emphasize, building of Social Capital is now regarded as a key factor for growth and sustainability of business.

We have started to measure the success of our CSR programmes in terms of social capital. We mainly build social capital by strengthening ties with local communities. This happens, for example when PNB provides volunteers to clean the roads, teach the farmers, counsel the poor ladies in rural areas, etc. Regular engagements mean that the imparter and the impartees benefit from the session as both the volunteer and the beneficiaies come back with better knowledge of the other's world. The world of the "other" – a rural unemployed youth, a small child, a farmer – becomes more familiar, more tangible and ultimately more enabled. On this level, the value of their interaction, their newly formed relationship and shared experiences, cannot be overestimated. A spark gets ignited which has every chance to get light into the lives of these beneficiaries.

Social goodwill also increases when Punjab National Bank conducts business in a way that minimizes its impact on the environment. Using recycled paper, recycling our waste, conserving electricity – these actions tell clients that we take our role as good corporate citizens seriously and set an example for our peers to follow.

PNB CSR.p65 7 2010/06/16, 04:46 PM

हम सामाजिक पूंजी का सृजन करते हैं, जब – अपने कृषक प्रशिक्षण केन्द्रों के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सहायता करते हैं – जिससे एक व्यक्ति बेरोज़गारी और गरीबी से मुक्त हो जाता है। जैसे ही लोग नये शिल्प सीखते हैं, जो उनको नये कार्य करने में सहायक होंगे, वे न केवल अपने जीवन की गुणवत्ता में सुधार कर पायेंगे, बल्कि समाज में उनके पुनः मिलने से समुदाय को भी व्यापक लाभ प्राप्त होंगे।

सामाजिक पूंजी निर्माण में समय लगता है अतः हमारी सभी सहभागीदारियां दीर्घकालीन हैं, सामान्यतः 3 से 5 वर्षों तक जब तक कि वे स्थिर नहीं हो जाती और फिर उन्हें हमारे सहयोग की आवश्यकता नहीं रह जाती।

समय के साथ हमने कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व को पीएनबी के ताने–बाने में समाविष्ट कर लिया है। बैंक में उच्च प्रबंधन ने पिछले चार दशकों में सीएसआर गतिविधियों को काफी बढ़ावा दिया है। हमारे लोग आदर्श स्थापित करते हैं, ताकि यह सिद्ध हो सके कि अच्छी कॉरपोरेट नागरिकता का महत्व धन से अधिक है।

हमारे बहुप्रशंसित सीएसआर कार्यक्रम में ऊर्जा और उत्साह प्रदान करने के लिये सामुदायिक भागीदारों और पीएनबी के प्रत्येक सदस्य का धन्यवाद।

हम आने वाले वर्षों में अपने सीएसआर कार्यक्रम की अधिक सफलता और इसके द्वारा समाज में बेहतर प्रभाव की आशा करते हैं।

(के. आर. कामत)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

We generate social capital when – by supporting training programmes through our Farmer Training Centers – an individual overcomes unemployment and poverty. As people learn new skills that will help them re-enter the workforce, they not only exponentially improve the quality of their own lives, but their reintegration into society benefits the wider community as well.

Building social capital does take time, so all of our partnerships are long term, usually three to five year commitments till they become sustainable and do not require our support thereafter.

We have, over time, woven corporate social responsibility into the fabric of PNB. We have championed CSR at the highest levels of the organization for the last four decades with increasing focus year after year. Our people lead by example, showing that good corporate citizenship is about more than money.

Thank you to our community partners and everyone at PNB for the energy and enthusiasm you bring to our acclaimed CSR programme.

We look forward to even greater success and impact in future years through our CSR programme.

(K. R. Kamath)
Chairman & Managing Director

PNB CSR.p65 8 2010/06/16, 04:46 PM

पंजाब नैशनल बैंक की सीएसआर रणनीति

पीएनबी कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) को समाज में और अपने भविष्य में एक निवेश के रूप में समझता है। एक जिम्मेदार कॉरपोरेट नागरिक के रूप में हमारा लक्ष्य है सामाजिक पूंजी का निर्माण करना। हम अपनी कोर क्षमताओं को निम्नलिखित पांच कार्यकलाप क्षेत्रों में उन्नत कर रहे हैं।

स्थिरता: पीएनबी के समस्त कार्यकलापों का एक अटूट भाग है – हमारे कोर कारोबार में और उसके अलावा भी – हमारे शेयरधारकों, ग्राहकों, कर्मचारियों, समाज और वातावरण के प्रति उत्तरदायी होना।

कॉरपोरेट स्वेच्छया सेवा: बढ़ती संख्या में हमारे कर्मचारी बैंक के समर्थन और प्रोत्साहन के साथ नागरिक नेतृत्व और उत्तरदायित्व के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

सामाजिक निवेश: हम लोगों और समुदायों के लिये अवसर प्रदान करते हैं। हम उन्हें बेरोज़गारी और गरीबी से मुक्त होने और उनका भविष्य संवारने में सहायता करते हैं। बैंक ने इस प्रयोजनार्थ अनेक प्रशिक्षण संस्थान और परामर्श केन्द्र स्थापित किये हैं।

स्वास्थ्य: हमारा विश्वास है कि समाज और राष्ट्र की समग्र उन्नति के लिये स्वस्थ वातावरण में स्वस्थ मस्तिष्क और स्वस्थ शरीर आवश्यक है। इसीलिये, हमने ऐसे क्षेत्रों में निवेश किया है जो ऐसे विकास में सहायक हों।

शिक्षा: हम सभी क्षेत्रों में प्रतिभा को वृद्धि और प्रगति का एक सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्रोत मानते हैं। हमारा दर्शन है कि युवाशक्ति पर ध्यान दें और उन्हें निपुणता वृद्धि के माध्यम से सशक्त बनायें।

PUNJAB NATIONAL BANK'S CSR STRATEGY

PNB regards Corporate Social Responsibility (CSR) as an investment in society and in its own future. Our goal as a responsible corporate citizen is to create social capital. We leverage our core competencies in five areas of activity.

Sustainability: An integral part of all PNB activities – in our core business and beyond – is being responsible to our shareholders, clients, employees, society and the environment.

Corporate Volunteering: A growing number of our employees are committed to civic leadership and responsibility – with the support and encouragement of the Bank.

Social Investments: We create opportunities for people and communities. We help them overcome unemployment and poverty and shape their own futures. The Bank has set up numerous training institutes and counseling centres for this purpose.

Health: We believe that healthy mind and healthy body in a healthy environment is essential for overall growth of society and the nation. That is why we invest in areas that facilitate such enhancements.

Education: We enable talent across all disciplines as one of the most important sources of growth and progress. Our philosophy is to catch the young and empower them through skill enhancement.

PNB CSR.p65 9 2010/06/16, 04:46 PM

सीएसआर कार्य–कलाप

कृषि एवं कृषकों संबंधी पहल

- कृषि / कमज़ोर क्षेत्र / महिलाओं को ऋण में वृद्धि, जिसके परिणामतः आय सृजन के माध्यम से उनका जीवन बेहतर हो सके।
- बैंक ने 2 न्यास, **पीएनबी कृषक कल्याण न्यास और पीएनबी शताब्दी ग्रामीण विकास न्यास** स्थापित किये हैं। ये न्यास प्रशिक्षण केन्द्र चला रहे हैं, जिनमें कृषि एवं गैर कृषि कार्य–कलापों पर प्रशिक्षण दिया जाता है।
  - पीएनबी कृषक कल्याण न्यास ग्रामीण क्षेत्रों में कृषकों, महिलाओं और युवाओं के कल्याण के लिये वर्ष 2000 में स्थापित किया गया था। न्यास के तत्वाधान में 8 कृषक प्रशिक्षण केन्द्र सच्चा खेड़ा (हरियाणा); विदिशा (म.प्र.); नीमराना (राजस्थान); शमशेर नगर (पंजाब); सैफई (उ.प्र.); लभंडी (छत्तीसगढ़); महराज (पंजाब) और पिलैरपट्टी (तमिलनाडू) में खोले गये हैं। वर्ष 2010–11 के दौरान करापल्ली, तहसील बहरामपुर, उड़ीसा और झालरा पाटन (राजस्थान) में 2 और केन्द्र भी स्थापित किये जायेंगे।

  - कृषि फसलों एवं सहायक कार्य कलापों, मृदा परीक्षण और जटरोफा उत्पादन के उन्नत पैकज पर ऑफ साइट प्रशिक्षण देने के लिये एफटीसी सच्चा खेड़ा में मोबाइल वैन का प्रयोग किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त यह वैन एक सूचना कियोस्क का भी कार्य कर रही है।

- बैंक के समस्त 8 एफटीसी ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं और कृषि एवं सहायक कार्यकलापों, कम्प्यूटर पाठ्यक्रमों, कटिंग, टेलरिंग और कढ़ाई आदि पर **निशुल्क** प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। ये एफटीसी 31 मार्च, 2010 तक 2,50,974 कृषकों और युवाओं को प्रशिक्षण दे चुके हैं, जिनमें 48,395 महिलायें शामिल हैं।
- प्रत्येक एफटीसी ने 5 लाख रुपये की लागत पर एक गांव को विकास के लिये अपनाया है, जिसमें सार्वजनिक सुविधाओं, स्कूलों की कक्षाओं, गांवों के पुस्तकालय, अस्पताल, के निर्माण, खेल के मैदानों, स्कूलों को पंखे, वाटर कूलर आदि प्रदान करने जैसे विकासात्मक कार्य आरंभ किये जा रहे हैं।
- वर्ष के दौरान कृषि विश्वविद्यालयों / कॉलेजों / मेलों / सरकारी फार्मों आदि के 49 दौरों की व्यवस्था की गई।

CSR ACTIVITIES

Agriculture and Farmers related initiatives:

- Increased lending to Agriculture/Weaker sector/Women which results in impacting their lives through income generation.
- The Bank has established two trusts viz., **PNB Farmers Welfare Trust and PNB Centenary Rural Development Trust**. These trusts are involved in running training centres which imparts training in farming and also other non-farm activities.
  - PNB Farmers' Welfare Trust was established in the year 2000 for welfare of the farmers, women and youth in rural areas. Under the aegis of the Trust, 8 Farmers' Training Centres (FTCs) have been made operational at village Sacha Khera (Haryana); Vidisha (MP); Neemrana (Rajasthan); Shamsher Nagar (Punjab); Saifai (UP), Labhandi (Chhattisgarh); Mehraj (Punjab) and Pillayarpatti (Tamil Nadu). Two more centres will be set up at Karapalli, Tehsil Berhampur (Orissa) and Jhalara Patan (Rajasthan) during the year 2010-11.

  - Mobile Van is being used at FTC Sacha Khera for providing off-site training on improved package & practices of agricultural crops & allied activities, soil testing and Jatropha cultivation. In addition, the van is acting as an information kiosk.

- All the 8 FTCs of the Bank are located in rural areas and provide **free of cost** training on agriculture & allied activities, computer courses, cutting, tailoring & embroidery, etc. These FTCs imparted training to 2,50,974 farmers and youth including 48,395 women till March 31, 2010.
- Each FTC has adopted one village for development at a cost of Rs. 5 lakh each, where in developmental works like construction of public conveniences, class-rooms for schools, village library, dispensary, playgrounds, providing fans, water coolers etc. to schools are being undertaken.
- During the year, 49 visits to Agricultural Universities/ Colleges/Fairs/Govt. Farms etc were arranged.

PNB CSR.p65 10 2010/06/16, 04:46 PM

- पीएनबी ने **पीएनबी शताब्दी ग्रामीण विकास न्यास**; पीएनबीसीआरडीटी) की स्थापना की है, जिसका उद्देश्य लाभदायी रोज़गार और ग्रामीण विकास के लिये ग्रामीण युवाओं की सहायता करना है।
  - न्यास के अंतर्गत 3 इकाईयां अर्थात् गांव मटकी झारोली (उ.प्र.) में मृदा परीक्षण एवं कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र; गांव डुडिके (पंजाब) में स्व रोज़गार हेतु ग्रामीण युवाओं के लिये प्रशिक्षण केन्द्र और पटना (बिहार) में बेरोज़गार युवाओं के लिये प्रशिक्षण के लिये पीएनबी स्वरोज़गार विकास संस्थान कार्यरत हैं।
  - 31 मार्च 2010 तक मटकी झारोली सैन्टर (उ.प्र.) में 36,934 मृदा नमूनों का विश्लेषण किया गया, 9088 कृत्रिम गर्भाधान करवाये गये और 71,856 रोगी पशुओं की चिकित्सा की गई। इसके अतिरिक्त 99,620 व्यक्तियों ने वरमी कमपोस्टिंग और सोलर एनर्जी के प्रदर्शनों में भाग लिया।
  - स्वर्गीय श्री लाला लाजपतराय के जन्म स्थान ढूडिके केन्द्र में स्वरोजगार उद्यमों पर प्रशिक्षण, जैसे फार्म मशीनरी की मरम्मत एवं रख–रखाव, कटिंग, टेलरिंग एवं कढ़ाई, कम्प्यूटर

- The Bank has established **PNB Centenary Rural Development Trust** (PNBCRDT) with an objective of assisting rural youth for taking up gainful employment and rural development.
  - Three units under the Trust are working, viz., Soil Testing & Artificial Insemination Centre at Village Matki Jharoli (UP); Training Centre for Rural Youth for Self Employment at village Dhudike (Punjab) and PNB Swarojgar Vikas Sansthan for training of unemployed youth at Patna (Bihar).
  - At Matki Jharoli Centre (UP), 36,934 soil samples have been analyzed, 9088 artificial insemination have been done and 71,856 diseased animals have been treated till March 31, 2010. Besides, 99,620 persons have attended demonstrations on vermi composting and solar energy.
  - At Dhudike Centre, the birth place of (Late) Shri Lala Lajpat Rai, training on self employment ventures like Repair and maintenance of farm machinery, Cutting, Tailoring &

PNB CSR.p65 11 2010/06/16, 04:46 PM

पाठ्यक्रम आदि में 684 बालकों और 635 बालिकाओं को अब तक प्रशिक्षित किया जा चुका है।

- पीएनबी स्वरोजगार विकास संस्थान, पटना (बिहार) एक स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान है जो उद्यमी विकास के माध्यम से धन अर्जित करने में युवाशक्ति के निर्माण हेतु स्थापित किया गया है और स्वरोजगार उद्यम आरंभ करने हेतु अपेक्षित ज्ञान और निपुणता प्रदान कर रहा है। संस्थान द्वारा मार्च 2010 तक 1327 व्यक्तियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है जिनमें 1083 महिलायें हैं।

- बैंक ने वित्तीय समावेशन के लिये कारोबार सहायक/कारोबार प्रतिनिधियों के रूप में भी पीएनबीसीआरडीटी को नियुक्त किया है और मटकी झारोली, जिला सहारानपुर, उ.प्र. में पायलट परियोजना आरंभ की गई है।
- पीएनबीसीआरडीटी के तत्वाधान में, वर्ष 2009–10 के दौरान 8 पीएनबी ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान मोहाली (पंजाब), झालरा पाटन (राजस्थान), नालंदा, गया और नवादा (बिहार), बिज़नौर और मटकी झारोली (उ.प्र.) और कांगड़ा (हि.प्र.) में स्थापित किये गये हैं जिससे आरएसईटीआई की कुल संख्या 19 हो गई है। ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुसार प्रत्येक बैंक को अपने अग्रणी जिलों में तथा गैर अग्रणी जिलों में ग्रामीण स्वरोज़गार प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित करने हैं जो संबंधित एसएलबीसी द्वारा आबंटित किये गये हैं और जिनके लिये राज्य सरकार द्वारा निशुल्क प्रदान की जाने वाली भूमि पर भवन के निर्माण के लिये सरकार द्वारा 1 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जायेगी। ये संस्थान गरीबी की रेखा से नीचे रहने वाले ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं ताकि वे स्वयं को उत्पादक स्वरोजगार कार्यकलापों में लगायें और अपनी आय स्तर में वृद्धि करें।
- कृषकों में जागरुकता लाने और परामर्श देने के लिये बैंक ने ग्रामीण समुदाय को किसान गोष्ठियां आयोजित करके और किसान क्लब स्थापित करके उपयोगी सूचना प्रदान की हैं। वर्ष 2009–10 के दौरान बैंक ने 7021 किसान गोष्ठियां आयोजित कीं जिनमें 2.75 लाख कृषकों ने भाग लिया और 30 कृषक क्लब तथा 418 टेनेंट कृषक समूह स्थापित किये। ऐसे वार्तालाप मंचों से जागरुकता स्तरों में वृद्धि हुई है और ये कृषकों के लिये लाभदायी सिद्ध हुये हैं जिनसे प्रयोगकर्ताओं और क्षेत्र में विशेषज्ञों के बीच की दूरी दूर हुई है।

Embroidery, Computer courses etc. have been imparted to 684 boys and 635 girls so far.

- PNB Swarojgar Vikas Sansthan, Patna (Bihar) is a Rural Development and Self Employment Training Institute established on 15.01.2007 for channelising youth power in wealth creation through entrepreneurship development and imparting knowledge and skill required for taking up self employment ventures. Till March 2010, training has been provided to 1327 persons including 1083 women by the Institute.
- The Bank has also appointed PNBCRDT as Business Facilitator/Business Correspondent for Financial Inclusion and the pilot project is operational at Matki Jharoli, Distt. Saharanpur (UP).
- Under the aegis of PNBCRDT, during the year 2009-10, 8 PNB Rural Self Employment Training Institutes (PNBRSETIs) have been established at Mohali (Punjab), Jalara Pathan (Rajasthan), Nalanda, Gaya & Nawadah (Bihar), Bijnore & Matki Jharoli (Uttar Pradesh) and Kangra (Himachal Pradesh) taking total number of RSETIs to 19. As per the Ministry of Rural Development, Govt. of India guidelines each Bank is to establish a Rural Self Employment Training Institute (RSETI) in its lead districts as well as in non lead districts allotted by the concerned SLBC for which the Govt. would provide financial assistance of Rs. 1 crore for construction of building on the land to be provided FREE OF COST by the State Govt. These institutes are providing training to the Rural BPL youth and women so that they can engage themselves in productive self employment activities and raise their income level.
- Towards awareness creation and counseling of farmers, the Bank resorted to dissemination of useful information to the rural community through organization of Kisan Goshthies and formation of Farmers' Club. During the year 2009-10, the Bank conducted 7021 Kisan Gosthies, wherein 2.75 lakh farmers participated and formed 30 Farmers' Clubs and 418 Tenant Farmers' Groups. Such interactive forums have gone a long way in enhancing awareness levels and have proved useful to farmers by bridging the gap between the users and the experts in the area.

PNB CSR.p65 12 2010/06/16, 04:46 PM

- बैंक की पीएनबीसीआरडीटी के तत्वावधान में ग्रामीण विकास मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के अनुसार चरणबद्ध रूप में लगभग 60 ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान खोलने की योजना है (इसमें से 19 पहले ही खोले जा चुके हैं) जो गरीबी की रेखा से नीचे रह रहे ग्रामीण व्यक्तियों को निःशुल्क, अनोखा और आवासीय स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करेंगे। वर्ष 2009–10 के दौरान हमारे बैंक ने ऐसे संस्थान खोलने के लिये 343.65 लाख रुपयों की राशि का अंशदान दिया है।

सूक्ष्म एवं लघु उद्यम

निर्माण एवं सेवा क्षेत्र तथा निर्यात एवं रोज़गार के अवसरों में अपने योगदान के कारण सूक्ष्म एवं लघु उद्यम क्षेत्र (एमएसएमई) की वृद्धि पर बल दिया जा रहा है। एमएसएमई क्षेत्र देश के विकास एवं आर्थिक उन्नति में विशेष भूमिका निभा रहा है। लघु एवं मध्यम उद्यमों को ऋण देने पर ज़ोर दिए जाने के फलस्वरूप बैंक ने मार्च 2008 में ही एमएसएमई क्षेत्र के ऋणों को दुगुना कर दिया जबकि भारत सरकार द्वारा इसे पांच वर्ष में दुगुना करने का लक्ष्य दिया गया था जो 2010 को पूरा होना था।

वित्तीय समावेशन पहल

- इस तथ्य को नकारा नहीं जा सकता कि वित्तीय सेवाओं तक पंहुच से वित्तीय भुगतान करने और प्राप्त करने में सुविधा होती है और इससे लेन देन लागत में कमी आती है। इसके अतिरिक्त वित्तीय सेवाओं तक उन्नत पंहुच से उच्चतर उत्पादन और सामाजिक सुरक्षा प्राप्त होती है क्योंकि वित्तीय क्षेत्र – एकत्रित बचतों, ऋण और बीमा के माध्यम से संकट अल्पीकरण के उपाय के रूप में कार्य करता है। तीव्रता से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था में स्थिर वृद्धि के लिए ऐसे क्षेत्रों/खंडों के समावेशन की आवश्यकता है जिन्हें वित्तीय सेवाओं तक पहुँचने में कठिनाई होती है। समावेशन से एक तरफ वंचित खंडों की उत्पादक क्षमताओं को उन्मुक्त करके आर्थिक वद्धि में सुधार होता है वहीं दूसरी ओर इससे ऐसे क्षेत्रों से आय एवं उपभोग वृद्धि से घरेलू मांग स्थाई आधार पर बढ़ती है।

- बैंक समावेशन वित्त प्रदान करते समय पैकेजड वित्त जिसमें ''सुरक्षित बचत, गरीबों और न्यून आय वाले गृहस्थियों के लिये उचित रूप से तैयार किये गये ऋण और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम आकार के उद्यम, कस्टम मेड इंश्योरेंस एंड पेमेंटस सर्विसिज तथा वित्तीय साक्षरता/ऋण परामर्शदाता सेवायें शामिल हैं ताकि लोंगों को आय बढ़ाने, पूंजी अधिग्रहण, जोखिम प्रबंधन, और गरीबी से मुक्त होने में सहायता मिले'' का समावेशन करना है।
- इस प्रकार बैंक के समावेशन पहलों का लक्ष्य ग्रामीण जनसाधारण का वित्तीय सशक्तीकरण और सहभागिता है। वित्तीय पहुंच के अभाव से पिरामिड के निचले भाग की जनसंख्या की बचत क्षमताओं में कमी आती है। वित्तीय सेवाओं की पहुंच से बचत करने में प्रोत्साहन मिला है जिसे संग्रहित किया जा सकता है और जिसे निवेश के लिये प्रयोग किया जा सकता है। साथ ही इससे दलितों के हाथों में अधिक पूंजी उपलब्ध होगी जिसे वे आय सृजन कार्यकलापों में निवेश कर सकेंगे।
- यह व्यापक रूप से माना जा रहा है कि शाखा बैंकिंग पर पूर्ण रूप से निर्भर रहने में 2 मुख्य हानियां हैं, सबसे मंहगा डिलीवरी माध्यम (ग्राहक एवं बैंक दोंनों के लिये और महानगरीय क्षेत्रों में बैंक शाखाओं का उच्चतर संकेन्द्रण। इसलिये हमने कारोबार

- The Bank plans to open around 60 Rural Self Employment Training Institutes (RSETIs) in a phased manner (of which 19 have already opened) under the aegis of PNBCRDT as per MoRD guidelines which will provide free, unique and residential Self Employment Training Programmes to Rural Below Poverty Line (BPL) persons. During the year 2009-10, our bank contributed a sum of Rs.343.65 lac for opening of such institutes.

The Micro and Small Enterprises

The Micro and Small Enterprises (MSME) sector continues to be a thrust area due to their contribution to manufacturing and service sector, exports and employment generation. The MSMEs are playing a great role in the development and economic upsurge of the country. As a result of thrust on SME lending, the Bank has doubled credit to MSMEs by March 2008 itself, far ahead of scheduled 5 year doubling deadline given by Govt of India, which expected Banks to double credit to this sector by 2010.

Financial Inclusion Initiatives:

- There is no denying the fact that access to financial services facilitates making and receiving financial payments and reduces transaction costs. Further Improved access to financial services contributes to higher production and social protection, as the financial sector – through stored savings, credit and insurance – serves as a measure of crisis mitigation. In a fast growing economy, sustainable growth necessitates inclusion of such sectors/segments which have difficulty in accessing financial services. Inclusiveness improves economic growth by unleashing productive capacities of excluded segments on one side, while on the other it boosts domestic demand on a sustainable basis arising out of income and consumption growth from such sectors.
- The Bank while providing inclusive finance takes care to offer a packaged finance including "safe savings, appropriately designed loans for poor and low-income households and for micro, small and medium-sized enterprises, custom made insurance and payments services and financial literacy/credit counseling services to facilitate people to enhance incomes, acquire capital, manage risk, and come out of poverty".
- Thus Bank's inclusive initiatives aim at financial empowerment and participation of rural masses. Lack of financial access reduces the saving ability of the bottom of the pyramid population. Access to financial services provides an incentive to save which can be mobilized and used for investment. At the same time, it will provide more capital at the hands of the downtrodden, which they can use for investing in income generating activities.
- It is widely appreciated that an exclusive dependence on branch banking has two major disadvantages of being the costliest delivery channel (both for the customer and the bank) and higher concentration of bank branches in metropolitan

PNB CSR.p65 13 2010/06/16, 04:46 PM

सहायक/कारोबार प्रतिनिधि मॉडल के माध्यम से सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग सहित बैंकिंग सेवायें देने में मध्यस्थों के रूप में गैर–सरकारी संगठन/स्वयं सहायता समूह, सूक्ष्म वित्त संस्थान और अन्य नागरिक समितियों की सेवाओं का प्रयोग किया है।

- बीसी मॉडल बैंकों को ग्रामीण जनसंख्या तक ''कैश इन–कैश आऊट'' ट्रांजैक्शन करने और अंतिम छोर के ग्राहकों तक पहुंचने में सहायक हैं। ये बीसी पोर्टेबल पीओएस मशीने (हैंड हैल्ड डिवाईसिज) ले जाते हैं जो स्मार्ट कार्डों को पढ़ने/लिखने में समर्थ हैं। बीसी अपने लैपटॉप की सहायता से, जिसमें वैब कैमरा (फोटो लेने के लिये), बायोमैट्रिक स्कैनर (अंगूलियों के निशान) और पैड (हस्ताक्षर लेने के लिये) लगा होता है, खाते खोलते हैं। प्राप्त की गई सूचना सैन्ट्रल सर्वर को भेजी जाती है जहां खातों का रख रखाव किया जाता है। ग्राहकों को स्मार्ट कार्ड जारी किये जाते हैं जिनमें उनके फोटों और अंगूलियों के निशान होते हैं।
- इस प्रकार प्रौद्योगिकी बड़ी संख्या में छोटे ट्रांजैक्शनों की परिचालन लागतों में अभूतपूर्व गिरावट लाने, वित्तीय सूचना की गुणवत्ता में सुधार करने में सहायक हुई है और असुरक्षित वर्गों के लिये बैंकिंग को मुख्य धारा की वित्तीय संस्थाओं के लिये अधिक लाभदायी तथा कम जोखिम वाली बनाया है। अतः बैंकों को इन सब का लाभा उठाने के लिए अनेक अवसर मिल गये हैं।

इसके अतिरिक्त हमारे वित्तीय समावेश पहलों का उद्देश्य निपुणता वृद्धि हैं जैसे कृषकों/महिलाओं/ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षण द्वारा कुशल बनाना। देखा गया है कि ऐसे संवर्धन से हमारे ग्रामीण ग्राहकों में अत्याधिक आत्मविश्वास उत्पन्न हुआ है जिनमें से बहुत लोगों को अब हमारे कारोबार प्रतिनिधियों या सहायकों के रूप में बैंक द्वारा रोज़गार दिया गया है। बैंक ने युवाओं तथा ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण देकर लघु स्तर पर अनेक स्वरोज़गार परियोजनायें भी आरंभ की हैं जिससे वे आत्मनिर्भर हो गये हैं।

areas. Thus we have utilized the services of NGOs/SHGs, MFIs and other civil society organizations as intermediaries in providing banking services through the Business Facilitator/ Business Correspondent model along with the use of information technology.

- The BC model allows the banks to do 'cash in-cash out' transactions at the doorstep of rural population and to reach last mile customers. The BCs carry portable POS machines (hand held devices) which are able to read/write smart cards. BCs open the accounts with the help of their laptops equipped with web camera (for taking photograph), biometric scanner (for fingerprints) and pad (for signature capturing). The information captured is transmitted to a central server where the accounts are maintained. The customers are issued smart cards which have their photographs and fingerprints.
- Thus technology has helped in dramatically reducing the operations costs for large number of small transactions; improve the quality of financial information and has made banking for the vulnerable sections more profitable and less risky for mainstream financial institutions. All this has opened up enormous opportunities for the Banks to adopt inclusive growth in financial sector.

Further, our financial inclusion initiatives are aimed at Skill Enhancement measures like training of farmers/women/rural youth through various Farmers' Training Centres. Such enrichment has been observed to have generated tremendous confidence amongst our rural customers, many of whom have now been offered employment by the Bank as our Business correspondents or facilitators. The Bank has also facilitated many Self-employment Projects at small levels by training the youth as well as the rural women who have become self reliant.

इसके अतिरिक्त हमारी अनेक पहलों का लक्ष्य ग्रामीण गरीबों को साहूकारों के पंजों से मुक्त करना है जिन्होंने इन भोले व्यक्तियों को अपने पंजों में फंसाया हुआ है। ऐसी कुछ नई पहलों में हमारी रिक्शा परियोजना शामिल है जिसमें बैंक ने इन रिक्शा चालकों को वित्त पोषित करके और आकस्मिकताओं के प्रति उनका बीमा करके सहायता प्रदान की है।

Moreover, many of our initiatives are aimed at economic emancipation of the rural poor from the clutches of the moneylenders who make these ignorant people mere pawns in their hands. Some of such pioneering initiatives include our Rickshaw project wherein Bank has helped these rickshaw pullers by extending them finance as well as insuring them against eventualities.

PNB CSR.p65 14 2010/06/16, 04:46 PM

- **रिक्शा परियोजनाएं**

  बैंक वाराणसी, इलाहाबाद, लखनऊ, कानपुर, पटना, मेरठ और अहमदाबाद, आरा, दरभंगा, लुधियाना, आगरा, रोहतक, बरेली, भरतपुर और जबलपुर में एमएफआई/एनजीओ/बीसी के सहयोग से रिक्शा चालकों का वित्त पोषण कर रहा है। इसके अतिरिक्त, यह योजना देश भर में विभेदक ब्याज दर पर, वैयक्तिक रिक्शा चालकों तक भी बढ़ाई गई है, ताकि वे अपनी दैनिक जीविका को पूरा करते हुए अपने पैरों पर खड़े हो सकें और उनके जीवन स्तर में सुधार हो सके। अब तक बैंक ने 6400 रिक्शा चालकों का वित्त पोषण किया है और 629 लाख रुपये की राशि वितरित की है।

- **Rickshaw Projects**

  The Bank is financing rickshaw pullers in collaboration with MFIs/NGOs/BCs at Varanasi, Allahabad, Lucknow, Kanpur, Patna, Meerut, Ahmedabad, Ara, Darbhanga, Ludhiana, Agra, Rohtak, Bareilly, Bharatpur and Jabalpur. Further, the scheme has been extended throughout the country at DRI rate to individual rickshaw pullers so as to assist them to stand on their own by supplementing their daily livelihood and thereby improving their standard of living. So far, the bank has financed 6400 rickshaw pullers and the amount disbursed is Rs 629 Lakh.

स्वास्थ्य संबंधी पहलः

- वर्ष 2009–10 के दौरान 131 मानव स्वास्थ्य जांच शिविर, 97 पशु स्वास्थ्य जांच शिविर तथा 25 रक्तदान शिविर आयोजित किए गए जिनमें स्टाफ ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

Health Initiatives:

- During 2009-10, 131 Human Health Check Up Camps, 97 Animal Health Check Up Camps and 25 Blood Donation camps were conducted with the active involvement of the staff.

- बैंक ने एयरटेल दिल्ली हॉफ मैराथॉन में सक्रिय रूप से भाग लिया जो मानसिक रूप से तथा बहु–विकलांग बच्चों के कल्याण हेतु फंड एकत्र करने के लिए आयोजित की गई थीं। बैंक ने भी इस श्रेष्ठ कार्य के लिये कुछ राशि का योगदान दिया।

- The Bank participated actively in Airtel Delhi Half Marathon which was organized to raise funds for the welfare of children with Mental and Multiple Disabilities and also contributed some amount for this noble cause.

PNB CSR.p65 15 2010/06/16, 04:46 PM

हरित पहल

- बैंक पर्यावरण मुद्दों, विशेष रूप से ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन के प्रति चिंतित है। बैंक महसूस करता है कि संपूर्ण बैंकिंग प्रणाली द्वारा प्रदूषण, जो वैश्विक उष्णता के लिए जिम्मेदार है, के बारे में जागरूकता पैदा करने के अतिरिक्त प्रदूषण को कम करने के लिए कदम उठाने की भी आवश्यकता है।
- बैंक ने मौसम में आने वाले परिवर्तनों के प्रति गम्भीरता दिखाते हुए उत्सर्जन को कम करने तथा ऊर्जा खपत पर नियन्त्रण रखने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं। बैंक अपने वर्तमान और समस्त नए भवनों में ऊर्जा बचत के सभी तरीके अपना रहा है। समस्त कार्यालयों के सौ प्रतिशत इलेक्ट्रीसिटी ऑडिट के फलस्वरूप कार्यों में कुशलता और लागत में लाभ हुआ। ग्रीन भवन निर्माण की दिशा में भी बैंक ने नवीनतम परिकल्पनाओं को अपनाने पर जोर दिया। हमारे अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक ने बैंक की ओर से 'ग्रीन शपथ' (नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की पहल) पर हस्ताक्षर किए हैं।

Green Initiatives:

- Bank shares concerns about environmental issues especially the Green House Gas emissions. Bank feels that besides creating awareness about pollution which is responsible for global warming there is a need for taking steps for reducing pollution by banking system as a whole.
- Bank has taken various steps for reducing emissions and energy consumption in the scenario of growing concern for climate change. It is adopting methods of energy saving, in existing and almost all new buildings of the Bank. 100 % Electricity Audit of all the offices has resulted in efficient functioning with cost benefits. Bank is also emphasizing on adoption of latest concepts in this regard for constructing green buildings. Our CMD has signed "**Green Pledge**" (an initiative of Ministry of New and Renewable Energy) on behalf of the Bank.

- बैंक द्वारा इस संबंध में अनिवार्य मार्गदर्शी निर्देश जारी किए गए हैं कि, आवधिक ऋण संवितरण से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि ऋण लेने वाली कंपनी द्वारा पर्यावरण नियन्त्रण बोर्ड सहित समस्त अपेक्षित सांविधिक एवं अन्य अनुमोदन/अनुमतियां प्राप्त कर ली गईं हैं।
- बैंक ने प्रत्येक मामले के गुण दोषों के आधार पर स्वच्छ ऊर्जा जैसे– सौर ऊर्जा, वायु ऊर्जा तथा जल ऊर्जा का उत्पादन करने वाली इकाईयों के वित्त पोषण के संबंध में दिशा–निर्देश बनाए हैं जो, पर्यावरण को साफ रखने की दिशा में ग्रीन हाउस गैसिस एमिशन को सीमित रखने में सहायक हैं।
- बैंक ने नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों को चारे के रूप में प्रयोग करने वाली परियोजनाओं जैसे – विन्ड मिल, हाइडल पॉवर, बॉयो–मास आधारित पॉवर परियोजना, सोलर इत्यादि जो कार्बन क्रेडिट की पात्र हैं, को वित्त प्रदान कर ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन के निवारण की श्रेष्ठ प्रबन्धन प्रक्रिया को अपना कर सामाजिक उत्तरदायित्व निभाया है। इससे न केवल पर्यावरण में सहयोग उपलब्ध होता है अपितु परियोजना की सक्षमता में सुधार होता है तथा कार्बन क्रेडिट से नकदी प्रवाह भी बढ़ता है।
  - बैंक ने विन्ड मिल परियोजनाओं के वित्त पोषण के लिए विस्तृत दिशा निर्देश बनाए हैं तथा केवल विन्ड मिल परियोजनाओं के वित्त पोषण की परिसीमा को बैंक के कुल अग्रिमों का 1 प्रतिशत निर्धारित किया हुआ है।
  - कार्बन क्रेडिट के वित्त पोषण के लिए भी विस्तृत दिशा निर्देश बनाए गए हैं।

- Another environment friendly initiative relates to formulation of mandatory guidelines by the Bank that before disbursement of Term Loan, it should be ensured that all necessary statutory and other approvals/permissions including from Pollution Control Board, have been obtained by the company seeking loan.
- Bank has in place guidelines for providing finance to units producing clean energy such as, solar energy, wind energy and hydel energy on merits of each case which help in containing Green House Gases (GHGs) emissions leading to clean environment.
- Bank adopts the best management practices towards its social responsibilities and contribution to the society for abatement of Green House gas emission by financing projects which use renewable energy sources as feedstock i.e. windmill, hydel power, bio-mass based power projects, solar etc. which are entitled for carbon credits. It not only contributes to environment but improves project viability and cash flows out of carbon credit.
  - The Bank has comprehensive guidelines for financing windmills projects and has fixed exposure ceiling for windmills alone at 1% of the total advances of the Bank.
  - Comprehensive guidelines for financing Carbon Credit have also been formulated.

PNB CSR.p65 16 2010/06/16, 04:46 PM

- परियोजना संबंधी हमारी सभी ऋण स्वीकृतियों में स्वीकृति पूर्व की एक शर्त के रूप में यह सुनिश्चित किया जाता है कि पर्यावरण के समस्त सांविधिक अनुमोदनों का अनुपालन करने के साथ–साथ परियोजना वाले स्थान पर स्थानीय लोगों के पुनर्स्थापन अथवा मुआवज़ों संबंधी निर्णयों को भी ध्यान में रखा जाए।
- भारत सरकार ने निर्देश दिए हैं कि ओजोन डेपलेटिंग सबस्टेंसिज (ओडीएस) निर्धारित अनुसूची में दिए अनुसार क्रमिक रूप से हटाए जाने चाहिए। इस संबंध में दायित्वों को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रिजर्व बैंक ने परामर्श दिया है कि ओडीएस उपभोग/पैदा करने वाले नए यूनिट स्थापित करने के लिए वित्त प्रदान नहीं किया जाना चाहिए। उपर्युक्त के अतिरिक्त, भारतीय रिजर्व बैंक ने यह चाहा है कि बैंकों को आईएफसी सिद्धांतों के विशेष संदर्भ में पर्याप्त विकास हेतु सहायतार्थ परियोजना वित्त पोषण (इक्वेटर सिद्धांतों) के लिए एक अनुकूल और उचित कार्ययोजना बनानी चाहिए। **बैंक इस संबंध में कदम उठाने पर विचार कर रहा है।**
- हमारा बैंक अक्टूबर 2010 में आयोजित होने वाले कॉमनवैल्थ गेम्स के आरम्भ होने से पूर्व 'लैट्स डू इट दिल्ली' के संरक्षण के अंतर्गत स्वच्छ दिल्ली अभियान के साथ भी जुड़ा हुआ है।

- वर्ष के दौरान विभिन्न केन्द्रों में 140 वृक्षारोपण शिविर आयोजित किए गए।
- बैंक ने जीवन स्तर में सुधार करने के लिये विभिन्न स्थानों पर वाटर कूलर लगाना, शौचालयों का निर्माण आदि जैसी अन्य सुविधायें प्रदान की हैं।

शिक्षा संबंधी पहल

- बैंक पंजाब, मध्य प्रदेश, हरियाणा, बिहार, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तरांचल राज्यों के ग्रामीण क्षेत्रों में पुस्तकालय–सह–अध्ययन कक्षों का भी रखरखाव कर रहा है।
- शिक्षा ऋण खाते 2,272 करोड़ रुपये बकाया (आउटस्टैंडिंग) की राशि और 924 करोड़ रुपये के संवितरण सहित 78,278 पर पहुंच गए।

- In all our project loan sanctions, it is ensured as a pre-disbursement condition that any resettlement or re-compensation issue with the local people at the project site needs to be ensured, besides compliance to all statutory approvals mainly environmental.
- The Government of India has advised that Ozone Depleting Substances (ODS) are required to be phased out as per schedule prescribed therein. In view of the obligations, the RBI has advised that finance should not be extended for setting up of new units consuming/producing ODS. Besides the above, the RBI has desired that the Banks should put in place a suitable and appropriate plan of action towards helping the cause of Sustainable Development with particular reference to IFC Principles on Project Finance (the Equator Principles). **Bank is considering taking steps on this score.**
- Our Bank also got associated with the **Clean Delhi Drive** under the aegis of "Lets Do It Delhi" as precursor to clean Delhi before commencement of Commonwealth Games in Oct, 2010 .

- More than 140 tree Plantation camps were organised during the year at various centres.
- The Bank set up other facilities like installation of water coolers, construction of toilets, etc for improving living standards at various places.

Education Initiatives:

- The bank is also maintaining Library-cum-Reading Rooms in rural areas in Punjab, M.P., Haryana, Bihar, West Bengal, Himachal Pradesh, Uttar Pradesh and Uttaranchal states.
- Number of Education loan accounts stood at 78,278 with an amount of Rs 2,272 crore (outstanding) and Rs. 924 crore (Disbursement).

PNB CSR.p65 17 2010/06/16, 04:46 PM

खेल संबंधी कार्यकलाप

- खेलों को बढ़ावा देने और नई प्रतिभाओं को विकसित करने में बैंक विशेष रुचि लेता है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए 'पीएनबी हॉकी अकादमी', जिसका गठन वर्ष 2002 में किया गया था, 14 से 19 वर्ष के आयु वर्ग के ऐसे प्रतिभावान युवा खिलाडियों को प्रशिक्षण और उनकी शिक्षा तथा स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दे रही है। बैंक में एक वरिष्ठ हॉकी टीम का गठन भी वर्ष 2004 में हॉकी खिलाडियों को बैंक कर्मचारी रखकर किया गया है, जिसमें इस समय 21 खिलाड़ी हैं। बैंक द्वारा तैयार किए गए हॉकी खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय हाकी टूर्नामेंटों में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं, जिनमें एशिया कप, जूनियर वर्ल्ड कप, ओलम्पिक के लिए क्वालिफाई करना आदि शामिल है, जिनसे राष्ट्र एवं बैंक का गौरव बढ़ा है।

Sport Activities:

- Bank continued in its efforts to promote sports and nurturing young talents. Towards this end, "PNB Hockey Academy" was established in the year 2002 for searching and grooming young talented players in the age group of 14 to 19 years as part of Junior Hockey Team and is according due support to their education, employment & physical well being. Bank also formed a Senior Hockey Team in 2004 by recruiting Hockey players as employees of the Bank. Presently, there are 21 players in the senior hockey team. Hockey players groomed by the bank represented the country in National and International hockey tournaments mainly Asia Cup, Junior World Cup, Olympics Qualifiers etc. and have brought rich dividends to the Nation & the Bank.

अन्य सीएसआर पहलः

➢ **आशा प्रोजेक्ट**

आशा एक गैर सरकारी संगठन है, जो दिल्ली में झुग्गी झोंपड़ी निवासियों को सामुदायिक विकास और जीवन की मूल सुविधाएं उपलब्ध करवा रहा है। हमारा बैंक इस संगठन को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है, ताकि वे दलितों के उत्थान के मिशन को पूरा कर सकें।

- परियोजना के अंतर्गत बैंक ने 78 लाभार्थियों को 60 लाख रुपयों से अधिक की राशि के ऋण प्रदान किये जिनमें झुग्गी झोपड़ी निवासियों के बच्चों को विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिये 37 लाख रुपयों के 28 शिक्षा ऋण शामिल हैं। इन प्रयासों की माननीय गृह मंत्री श्री पी. चिदम्बरम द्वारा सराहना की गई, क्योंकि पीएनबी दिल्ली में एकमात्र ऐसा बैंक है

Other CSR Initiatives:

➢ **Asha Project**

Asha is an NGO working for the community development and providing the basic amenities of life to the slum dwellers in Delhi. Our Bank is extending the financial assistance to this organisation to help them in carrying out their mission of upliftment of the underprivilaged.

- Under the project, Bank provided loans to 78 beneficiaries amounting to more than Rs. 60 lacs including 28 education loans to the children of the slum dwellers amounting to Rs. 37 lacs for pursuing different professional courses. Efforts were appreciated by the Hon'ble Home Minister, Shri P. Chidambaram as PNB

PNB CSR.p65 18 2010/06/16, 04:46 PM

जिसने इन विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सहायता की है। पीएनबी ने आशा द्वारा प्रायोजित 119 लाभार्थियों को 11 लाख रुपयों की राशि के विभेदक ब्याज दर (डीआरआई) ऋण भी स्वीकृत किये हैं। इसके अतिरिक्त, बैंक ने क्षेत्र के विकास में इस गैर सरकारी संगठन की सुविधा के लिये विभिन्न स्थानों पर लगभग 3000 नो फ्रिल खाते भी खोले हैं।

➢ **नन्हीं छांव प्रोजेक्ट**

बैंक ने मै. इम्पैक्ट प्रोजेक्टस प्रा. लि. द्वारा, कन्या भ्रूण हत्या और भारत के घटते हुए जंगलों के संबंध में जागरुकता लाने के लिए संवर्द्धित लोकोपकारी प्रोजेक्ट, नन्हीं छॉव फाउंडेशन के साथ सहयोग किया है। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत उन परिवारों को धार्मिक चढ़ावे (प्रसाद) के रूप में पौधे (फाउंडेशन द्वारा) दिये जाते हैं जो अपने धार्मिक स्थानों पर जाते हैं, जब कभी भी उनके परिवार में कोई कन्या जन्म लेती है या वधू के रूप में आती है।

- घरों, स्कूलों, फैक्टरियों, संस्थाओं, पार्कों आदि में पौधों के वितरण और धार्मिक रोपण को कन्या भ्रूण हत्या और जंगलों के विनाश के संबंध में जागरुकता लाने के लिए एक अवसर के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- बैंक द्वारा 10 रुपये की सांकेतिक जमा के साथ उस परिवार की कन्या/वधू का बचत खाता खोला जाता है जो मंदिरों में जाते हैं (और जिन्हें पौधे दिये जाते हैं)। बैंक द्वारा 31 मार्च, 2010 तक 791 खाते खोले गये हैं।

वर्ष के दौरान, बैंक ने समाज के दलित एवं कमज़ोर वर्गों, जन–जातियों के लोगों/अनाथों, शोषितों, स्पैस्टिक ग्रस्त व्यक्तियों, विकलांगों, मानसिक रूप से विकलांग बच्चों, आश्रय गृहों में रहने वाली महिलाओं इत्यादि के कल्याण में लगी विभिन्न स्वयं सेवी संस्थाओं, सोसाइटियों, चैरिटेबल संस्थाओं, शिक्षा संस्थाओं तथा संगठनों को 4.19 करोड़ रुपये दान में दिए।

निष्कर्षात्मक टिप्पणी

अपने समस्त शेयरधारियों के प्रति उत्तरदायित्व का भाव हमारे विचारों और कार्यों को आकार प्रदान करता है। यह कारोबार के प्रत्येक क्षेत्र में तथा बैंक के सभी स्तरों पर हमारी मूल्य श्रृंखला में दृढ़ एवं स्पष्ट हैं। निगरानी एवं प्रमाणीकरण के माध्यम से हम अपने बैंक की विश्वसनीयता, पारदर्शिता एवं स्व–नियंत्रण क्षमता पर भरोसा उत्पन्न करते हैं, जो निरंतर सफलता को बनाए रखने में अत्यंत आवश्यक है।

was the sole Bank in Delhi which helped these students gain higher education. PNB also sanctioned DRI loans to the 119 beneficiaries sponsored by ASHA, amounting to Rs. 11 lacs. Besides, the Bank also opened around 3000 No Frill Accounts at various places to facilitate this NGO in developing the area.

➢ **Nanhi Chhaan Project**

Bank has associated itself with the Nanhi Chhaan foundation, a philanthropic project promoted by M/s Impact Projects Pvt. Ltd. for creating awareness of female foeticide and the depletion of India's forest cover. Under this project, families who visit their respective places of religious worship are given plant saplings (by the Foundation) as religious offerings (prashad) whenever a girl enters their family either as a new born or as daughter in law.

- The distribution and ritualistic planting of the saplings in homes, schools, factories, institutions, parks,etc is used as occasions to spread awareness about female foeticide and the destruction of forest cover.
- Savings accounts of the girl child/ daughter in law of the devotees who visit the temple(and given saplings) are opened, with a token deposit of Rs.10/- made by the Bank. Till 31st March, 2010, 791 accounts have been opened by the Bank.

During the year, the Bank donated a sum of Rs.4.19 crores to various NGOs, societies, charitable institutions, educational institutions and organizations working for the benefit of downtrodden and weaker sections of the society, tribal people / orphans, underprivileged, spastics, handicapped, mentally challenged children, women in shelter homes, etc.

Concluding Remarks

Our sense of responsibility toward all stakeholders shapes both our thoughts and our actions. It is firmly anchored in our value chain, in each and every sector of business and across all levels of the Bank. Through monitoring and certification, we create trust in the reliability, transparency and self-controlling capabilities of our Bank – all of which are essential for sustaining success.

PNB CSR.p65 19 2010/06/16, 04:46 PM

पीएनबी कृषक प्रशिक्षण केन्द्र

एफटीसी – सच्चाखेड़ा

एफटीसी – विदिशा

एफटीसी – नीमराना

एफटीसी – सफई

एफटीसी – पिल्लयारपटी

एफटीसी – शमशेर नगर

एफटीसी – महिराज

एफटीसी – रायपुर

PNB CSR.p65 20 2010/06/16, 04:46 PM